Total Pages : 3 Roll No. .....

DVK-104

ग्रह शान्ति एवं संस्कार विधान

वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा (DVK-104)

चतुर्थ प्रश्न पत्र- सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. मूल नक्षत्र कौन-कौन से है? मूल शान्ति का प्रायोगिक विधान लिखिए।

2. नवग्रहों का मानव जीवन से क्याा सम्बन्ध है? स्पष्ट कीजिए।

3. चन्द्र एवं मंगल ग्रह की शान्ति विधान का उल्लेख कीजिए।

4. टिप्पणी लिखिए:

(क) संस्कार।

(ख) विवाह।

5. यमल जनन से क्या तात्पर्य है?

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. मूल वास विचार का उल्लेख करते हुए तत्सम्बन्धित मत-मतान्तर का विवेचन कीजिए।

2. नवग्रहों का परिचय दीजिए।

3. सूर्य एवं गुरु ग्रहों की शान्ति विधान का वर्णन कीजिए।

4. वर्त्तमान परिप्रेक्ष्य में कर्मकाण्ड की उपादेयता क्या है?

5. ज्वरादि रोगोत्पत्ति का विचार कैसे किया जाता है?

6. संस्कारों का भौतिक तथा नैतिक प्रयोजन लिखिए।

7. जातकर्म-नामकरण संस्कार का उल्लेख कीजिए।

8. उपनयन संस्कार का महत्त्व लिखिए।